न्यूज एंड व्यूज
News & Views

खंड 17: सं. 1 | अर्धवार्षिकी आर एण्ड डी न्यूज बुलेटिन [केरेउअवप्रसं-बहरमपुर] | जुन, 2023

Vol. 17: No. 1 | Half Yearly R&D News Bulletin [CSRTI-Berhampore] | June, 2023

संपादकीय

केंद्रीय रेशम बोर्ड के तत्वावधान में केरेउअवप्रसं-बहरमपुर पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अग्रणी रेशम उत्पादन संस्थान है। यह संस्थान क्षेत्र में 80 वर्षों से सतत सेवा प्रदान करते आ रहा है। संस्थान द्वारा अच्छी संख्या में उन्नत रेशमकीट नस्लों और संकरों, उच्च उपज देने वाली शहतूत किस्मों का विकास किया गया। शहतूत कृषि, रेशम कीटपालन व फसल सुधार संबंधित हाल ही में विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन ईसीपी के माध्यम से किया गया। साथ ही, क्षेत्र में अपनी अधीनस्थ इकाइयों (3 क्षेरेउअके एवं 9 अविके) के माध्यम से 13 राज्यों को कवर करते हुए रेशम उत्पादन कृषकों को दिशानिर्देश प्रदान करते आ रहा है।12Y x BFC1 को लोकप्रिय बनाने का कार्य प्रगति पर है। अंगीकृत बीज कीटपालकों के कीटपालन गृह में प्रत्येक बीज फसल में 12वाई एवं बीएफसी1 के पी1 रोमुच कीटपालन की पुष्टि की जा रही है। फरवरी-मार्च, 2023 के दौरान, SSPC बहरमपुर द्वारा 12वाई x बीएफसी1 के लगभग 12,000 रोमुच तैयार किए गए और DHHS त्रिपुरा को आपूर्ति की गई। द्वीप्रज कीटपालन को बढ़ावा देने के लिए आठ मेगा क्लस्टर (पश्चिम बंगाल में मालदा और मुर्शिदाबाद; मणिपुर-मैदानी क्षेत्र और मणिपुर-पहाड़ी; असम-निचला और असम-ऊपरी; मिजोरम में आइजोल; पश्चिम त्रिपुरा) स्थापित किए गए।

इस अवधि के दौरान संस्थान ने एक शहतूत परियोजना को संपन्न किया, जिसमें वर्षा आधारित लाल लेटराइट मृदा के तहत चल रही किस्म सी-2038 की तुलना में (12%) अधिक औसत मौसमी पत्ती उत्पादकता के साथ एक नए शहतूत जीनोटाइप, सी-9 की अनुशंसा की गई। वर्तमान में, नाबार्ड, डीएसटी-जेएसपीएस और डीबीटी के साथ तीन बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं। दो प्रत्याशी जीन MLO2 और MLO6A की पहचान की गई है जो चूर्णिल आसिता की संवेदनशीलता में शामिल हैं जिनका उपयोग चूर्णिल आसिता प्रतिरोधी शहतूत किस्मों के विकास के लिए किया जाएगा।

मुर्शिदाबाद जिले में रेशम- व्यवसाय उद्यमों के रूप में स्थापित दो चाकी पालन केंद्रों (सीआरसी) द्वारा लाभार्थी को लगभग 50 किलोग्राम/100 रोमुच का कोकून उपज प्राप्त हुआ जबकि गैर-लाभार्थी को 42 किलोग्राम, लगभग 8 किलोग्राम/100 रोमुच उपज ही प्राप्त हुई। विस्तार मशीनरी के माध्यम से, 53 विस्तार संचार कार्यक्रम, 3 रेशम कृषि मेला, वीसी के माध्यम से 1 किसान सम्मेलन, 2 तकनीकी कार्यशालाएं, क्षेत्र दिवस, ओ.वी. कार्यक्रम, टीडी का आयोजन कर 4000 से अधिक किसानों/ रेशम-हितधारकों को जागरूक किया गया है।

सीबीटी कार्यक्रम के तहत, इस कार्यकाल में, संस्थान ने केवीके के 10 वैज्ञानिकों को तथा 39 व्यक्तियों को एमडीपी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया, 51 केंद्रीय रेशम बोर्ड /डीओएस अधिकारियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया, लगभग 100 किसानों को एफएसटी/ एक्सपोजर विजिट के तहत जागरूक किया गया; गैर-सीबीटी निधि के माध्यम से 930 व्यक्तियों को जागरूक किया गया है।

रेशम-किसान सम्मेलन

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर द्वारा 18 मई, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रेशम-कृषि सम्मेलन का आयोजन किया गया। आरएसी के अध्यक्ष डॉ. चिरंतन चट्टोपाध्याय द्वारा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। डॉ. किशोर कुमार, सी.एम., केरेउअवप्रसं-बहरमपुर के निदेशक, डॉ. गांधी दास, निदेशक केरेउअवप्रसं, मैसूर, डॉ. भाटिया, निदेशक, केरेउअवप्रसं पंपोर, आरसीएस अनुभाग के वैज्ञानिक, आरएसआरएस-सलेम, अनंतपुर, कलिम्पोंग और आरईसी आइजल के वैज्ञानिक, मिजोरम और पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा, मिजोरम, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के रेशम-किसानों द्वारा ऑफ़लाइन/ वर्चुअल मोड में रेशम-किसान बैठक में भाग लिया गया।

डॉ. जी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक-डी ने उल्लेख किया कि बैठक की योजना वैज्ञानिकों, किसानों और योजनाकारों को एक मंच पर लाने के लिए बनाई गई है ताकि बातचीत के माध्यम से रेशम उत्पादन प्रथाओं पर किसानों के विचारों का आदान-प्रदान किया जा सके और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान भी निकाला जा सके।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से चार किसानों ने ऑफलाइन मोड में और आरएसआरएस कलिम्पोंग (उत्तरी बंगाल), आरईसी आइजोल (मिजोरम) और आरईसी त्रिपुरा (अगरतला) से दो किसानों ने वर्चुअल मोड में भाग लिया, जिनकी सहायता केंद्रीय रेशम बोर्ड इकाइयों के संबंधित वैज्ञानिकों द्वारा की गई। पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी भारत के रेशम-किसानों ने अपनी चर्चा के दौरान रेशम उत्पादन में उनके द्वारा अपनाई गई निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों/प्रथाओं पर विस्तार से चर्चा किए।

डॉ. चिरंतन चट्टोपाध्याय ने बैठक के बारे में प्रसन्नता व्यक्त की और बैठक में एक-दूसरे के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करने के लिए किसानों और वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने रेशम कृषि में उन्नति के लिए निम्नोलिखित बातों पर ध्यान देने के लिए अनुरोध किया : -

- कोसा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा और गुणवत्ता के आधार पर दर निर्धारण की आवश्यकता है।
- कोसा बाजारों को व्यवस्थित करना होगा और विशेष रूप से उत्तर पश्चिम, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्व भारत में नियम लागू करने होंगे।
- चॉकी पालन अवधारणा को व्यावसायिक आधार पर प्रोत्साहित करना होगा।
- गतिशील और वैज्ञानिक कोसा मूल्य निर्धारण प्रणाली आरंभ की जाएगी।
- सामान्य रूप से कोसान से रीलिंग गतिविधि में आधुनिक रीलिंग उपकरण का उपयोग करके सुधार किया जा सकता है
- बेहतर प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए किसानों को कीटपालन गृह एवं कीटपालन उपकरण जैसे कीटपालन बुनियादी ढांचे प्रदान करने के लिए सरकार की योजनाएं लाना हैं।
- जैविक खेती को बढ़ावा देना और शहतूत की कतारों में हरी खाद वाली फसलें उगाना हैं।
- प्रौद्योगिकी के बेहतर किसान-से-किसान प्रसार के लिए फार्म उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की अवधारणा को लोकप्रिय बनाना हैं।
- उपरोक्त राज्यों की केंद्रीय रेशम बोर्ड इकाइयों में कार्यरत वैज्ञानिकों ने किसानों की राय को स्थानीय भाषाओं में अनुवाद करने में मदद की। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

RIGHT TO INFORMATION
सूचना का अधिकार

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य संपादक: डॉ. किशोर कुमार, सी. एम. (निदेशक)

संपादक: डॉ. दीपेश पंडित (वैज्ञानिक-डी)

सहायक: श्री सुब्रत सरकार (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)
श्रीमती एस. कर्मकार मुस्ताफि(वरिष्ठ तकनीकी सहायक)
श्रीमती महुआ चटर्जी (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)

हिन्दी अनुवाद: श्री चंदन कुमार साव [वरिष्ठ अनुवादक हिन्दी]

न्यूज एंड व्यूज
News & Views

खंड 17: सं. 1 | अर्धवार्षिकी आर एण्ड डी न्यूज बुलेटिन [केरेउअवप्रसं-बहरमपुर] | जुन, 2023
Vol. 17: No. 1 | Half Yearly R&D News Bulletin [CSRTI-Berhampore] | June, 2023

EDITORIAL

CSRTI-Berhampore under the aegis of Central Silk Board is the only mulberry sericulture research institute in Eastern & North -Eastern region. It is rendering service since 80 years and developed a good number of improved silkworm breeds/hybrids, high yielding mulberry varieties, demonstrating the recent developed technologies related to mulberry cultivation, silkworm rearing & crop protection through ECPs, and providing guidelines to sericulture farmers covering 13 states through its nested units (3 RSRSs & 9 RECs) in the region. Popularization of 12Y x BFC1 is under progress. Rearing of P1 dfls of 12Y and BFC1 in every seed crop at adopted seed rearers' are being confirmed. During Feb-Mar., 2023, about 12,000 dfls of 12Y x BFC1 were supplied to DHHS Tripura (prepared by NSSO). Efforts were undertaken to promote bivoltine in 8 mega clusters (Malda and Murshidabad in West Bengal; Manipur-Plain and Manipur-Hill; Assam-Lower and Assam-Upper; Aizwal in Mizoram; West Tripura).

During the period, the institute concluded one mulberry project which recommended a new mulberry genotype, C-9 with higher mean seasonal leaf productivity (12%) over the running cultivar C-2038 under rainfed red laterite soils. Two candidate genes MLO2 and MLO6A have been identified which are involved in powdery mildew susceptibility that would be exploited for development of mildew resistant mulberry varieties.

Two chawki rearing centers (CRCs) in Murshidabad district established as seri-business enterprises have yielded cocoon of about 50 kg/ 100 dfls to the beneficiary whereas 42 kg to non-beneficiary, with a significant yield benefit of about 8 kg/ 100dfls.

Through extension machinery, 53 Extension Communication programmes *viz.,* 3 RKMs, 1 Farmer Meet through VC, 2 Technical Workshops, Field days, Aw. Prog. and TD were conducted and sensitized more than 4000 farmers / seri-stakeholders.

Under CBT programme, the institute trained 10 scientists of KVKs, 39 personnels were trained under MDP programme, 51 CSB/ DoS officials were given refresher training, about 100 farmers were sensitized under FST/ Exposure visit; 930 personnels were sensitized through Non-CBT fund during this tenure.

RIGHT TO INFORMATION सूचना का अधिकार

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Chief Editor: Dr. Kishor Kumar C. M. (Director)
Editor: Dr. Dipesh Pandit (Scientist-D)
Assistance: Mr. Subrata Sarkar (Sr.TA)
Mrs. Subhra Karmakar Mustafi (Sr.TA)
Mrs. Mahua Chatterjee (Sr.TA)

SERI – FARMERS' MEET

CSRTI Berhampore organised a Seri-farmers meet through Video Conference on 18th May, 2023. Dr. Chirantan Chattopadhyay, Chairman RAC chaired the occasion. Dr. Kishor Kumar, C.M., the Director of CSRTI Berhampore, Dr. Gandhi Doss, Director CSRTI, Mysore, Dr. Bhatia, Director, CSRTI Pampore, Scientists from RCS Section, Scientists of RSRS- Salem, Ananthapur, Kalimpong and from REC Aizawl, Mizoram and Seri-farmers of West Bengal, Jammu & Kashmir, Tripura, Mizoram, Karnataka, Tamil Nadu and Andhra Pradesh participated in the meet either offline/ virtual mode.

Dr. G. Srinivasa, Sci-D welcomed all the participants and mentioned that the meet is planned to bring the Scientists, Farmers and planners on one platform to exchange the views of farmers on their sericulture practices through interaction and also to come out with solution for problems encountered by them.

Four farmers from Murshidabad (West Bengal) participated in the meet in off line mode and two each from RSRS Kalimpong (North Bengal), REC Aizawl (Mizoram) and REC Tripura (Agartala) in virtual mode assisted by respective Scientists of CSB units located in these areas. The Seri-farmers during their discussion briefed some of the technologies/practices adopted by them. Dr. Chirantan Chattopadhyay, expressed his happiness and thanked farmers and Scientists for active interaction with each other in the meet. He suggested some steps to be taken care of for upliftment of sericulture –

- ✓ There is a need for announcing Minimum Support Price (MSP) for Cocoon and rate fixation based on quality.
- ✓ The cocoon markets have to be organized and regulations have to be introduced especially in North west, West Bengal and North east India.
- ✓ The Chawki rearing concept has to be encouraged on commercial basis.
- ✓ Dynamic and scientific cocoon pricing system to be introduced.
- ✓ Post cocoon activities in general and Reeling activity in particular, may be improved by introducing modern reeling equipment
- ✓ Government schemes should be made available to provide rearing infrastructure such as rearing house and rearing equipment to farmers for better technology adoption where it is lacking.
- ✓ Promote organic farming and growing green manuring crops in between mulberry rows.
- ✓ Popularize Farm Producer Organizations (FPO) and Self-Help Group (SHG) concept for better farmer-to-farmer dissemination of technology.

The scientists working in CSB units of the above states helped in translating farmers' opinions into local languages. The meet ended with Vote of Thanks.

रेशम कृषि मेला (बहरमपुर)

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ने दिनांक 01.02.2023 को रवीन्द्र सदन, बहरमपुर, मुर्शिदाबाद में रेशम कृषि मेला का आयोजन किया था। इस परिसर में, शहतूत रेशम किसानों को केरेउअवप्रसं-बहरमपुर द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों से परिचित कराने के लिए एक प्रदर्शनी स्टॉल का लगाया गया था। इसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. किशोर कुमार, सी.एम. की उपस्थिति में माननीय जिला मजिस्ट्रेट, मुर्शिदाबाद श्री राजर्षि मित्रा और श्रीमती सुजाता बनर्जी, प्रिंसिपल, कृष्णानाथ कॉलेज, बहरमपुर द्वारा किया गया।

मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय गीत - **"बंदेमातरम"** के साथ किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता माननीय जिला मजिस्ट्रेट, श्री राजर्षि मित्रा ने की, और इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे, डॉ. सुजान विश्वास, वैज्ञानिक, केवीके, श्री ए.इस सराकार ।

हितधारकों के लाभ के लिए **पांच (05) पुस्तिकाएं / पैम्फलेट / मैनुअल** जारी किए गए जो इस प्रकार हैं:

- ❑ पश्चिम बंगाल में वाणिज्यिक चॉकी पालन पर पुस्तिका।
- ❑ पचिंबंगे बनिज्यिक चाकी पलु पालन - एकति पुस्तिका।
- ❑ गंगा - सिंचित और वर्षा आधारित स्थिति के लिए पाउडरी मिल्ड्यू प्रतिरोधी शहतूत की किस्म
- ❑ रत्न - लाल लेटराइट मिट्टी और कम इनपुट स्थिति के लिए शहतूत की किस्म
- ❑ चाकी उद्यान के लिए शहतूत की खेती की तकनीक।

पिछले वर्ष के दौरान कोसा उत्पादन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से चुने गए ग्यारह (11) सर्वश्रेष्ठ किसानों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। उनमें से तीन पुरस्कार विजेता किसानों ने अपने सफलता के पीछे के अपने अनुभव और प्रयासों को साझा किया।

सरकारी और सार्वजनिक टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्र, पत्रिकाओं आदि सहित लगभग 10 मीडिया हस्तियों ने कार्यक्रम को कवर किया और अपने स्वयं के चैनल और मुद्रित समाचार पत्र का प्रसारण किया। पश्चिम बंगाल के बीरभूम, नादिया, मुर्शिदाबाद जिलों के रेशम उत्पादन हितधारकों, डीओएस, पश्चिम बंगाल के अधिकारियों और वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों ने मेले में सक्रिय रूप से भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ मेला समाप्त हुआ।

रेशम कृषि मेला (कालिम्पोंग)

आरएसआरएस-कालिम्पोंग ने दिनांक 07.02.2023 को ऑफिसर्स क्लब, नामची, सिक्किम में रेशम कृषि मेले का आयोजन किया। मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. किशोर कुमार, सी.एम., निदेशक केरेउअवप्रसं-बहरमपुर द्वारा नेपाली वर्नाक्युलर भाषा में "लेट एज रेशमकीट पालन" पर एक पुस्तिका का विमोचन किया गया की गई थी।

विशेष अतिथि, श्रीमती सृजना छेत्री, डीएफओ, (रेशम उत्पादन) वन और पर्यावरण विभाग द्वारा इस अवसर पर अपना व्यतव्य रखें। सिक्किम के पहाड़ी क्षेत्र में रेशम उत्पादन को मजबूत करने में महिला रेशम उत्पादक किसानों की भूमिका के बारे में संक्षेप में बताया।

मुख्य अतिथि आई.पी. शिवकोटि, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके, नामथांग ने दक्षिण सिक्किम में रेशम उत्पादन के विस्तार के लिए केवीके की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

अध्यक्षीय अभिभाषण डॉ. किशोर कुमार, निदेशक, केरेउअवप्रसं-बहरमपुर द्वारा दिया गया और उन्होंने द्वीप्रज रेशमकीट की भूमिका और नई शहतूत किस्म टीआर-23 के महत्व के बारे में बताया, जो विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र के लिए उपयुक्त है और किसानों और वैज्ञानिकों के बीच तकनीकी बातचीत हुई।

शहतूत कीट और रोग और रेशमकीट कीट और रोग से संबंधित पावर प्वाइंट प्रस्तुति डॉ. के. सुरेश, विज्ञान-सी और डॉ. मिहिर राभा, विज्ञान-सी, सीएसआर और टीआई, बहरमपुर द्वारा की गई थी। मेले में कलिम्पोंग और सिक्किम से रेशम उत्पादन हितधारकों सहित लगभग 170 प्रतिभागियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

रेशम कृषि मेला (कोरापुट)

आरएसआरएस-कोरापुट (ओडिशा) ने दिनांक 8 फरवरी, 2023 को कोरापुट सभागार में रेशम कृषि मेले का आयोजन किया। श्री अब्दाल एम. अख्तर, आईएएस, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने किसानों को बेहतर आजीविका के लिए रेशम उत्पादन के विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। केरेउअवप्रसं-बहरमपुर से डॉ. जी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक-डी और डॉ. दीपिका, के.यू., वैज्ञानिक-सी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। रेशम उत्पादन निदेशालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, ओडिशा के माननीय अतिथि थे। मेले में कोरापुट और संलग्न जिलों से रेशम उत्पादन हितधारकों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ दीप गोगोई, वैज्ञानिक-डी और प्रभारी, आरएसआरएस-कोरापुट ने कृषि मेला को सफल बनाने के लिए सभी हितधारकों, मीडिया हस्तियों और अन्य सभी प्रतिभागियों को उनकी बहुमूल्य उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ने दिनांक 21 जून, 2023 को संस्थान के सभागार में 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' या 'एक विश्व-एक परिवार के रूप में सभी के कल्याण के लिए योग' की थीम के साथ और प्रसार के उद्देश्य से **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया गया । यह योग दिवस वैदिक अभ्यास, योग और ध्यान के बारे में जागरूकता लाने के लिए किया जाता है । श्री अनुप कुमार रॉय चौधरी, योग शिक्षक, बहरमपुर ने सत्र का मार्गदर्शन किया और उल्लेख किया कि सभी को "योग का अर्थ है - शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा, शक्ति और सुंदरता को जोड़ना" शब्दों से अवगत कराया। केरेउअवप्रसं-बहरमपुर की सभी अधिनस्थ इकाइयों ने भी इसे बहुत उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया।

RKM- 2023 (CSRTI-Berhampore)

CSRTI-Berhampore organised RKM-2023 at Rabindra Sadan, Berhampore, Murshidabad on 01.02.2023. At the premises, an **Exhibition Stall"** was demonstrated to acquaint the mulberry sericulture farmers with the latest technologies developed by CSRTI-Berhampore. It was inaugurated by Shri Rajarshi Mitra, the Hon'ble District Magistrate, Murshidabad and Smt. Sujata Banerjee, Principal, Krishnath College, Berhampore and Dr. Kishor Kumar, C.M., Director CSR&TI- Berhampore.

The main programme was inaugurated with National Song **– "Bandemataram''.** This session was presided over by the Hon'ble DM, Shri Rajarshi Mitra. The other distinguished guests of Honours present on this occasion were Dr. Sujan Biswas, Senior Scientist, KVK, ICAR, Shri A. K. Sarkar, GM, NABARD, Shri Subrata Maitra, MLA, Berhampore Assembly and Shri Surojit Chowdhury, Rep. Commissioner, DoS, West Bengal.

Following **Five (05) booklets /pamphlets/ Manuals** were released on the occasion for the benefit of the stakeholders.

- Handbook on commercial chawki rearing in West Bengal.
- Pachimbange banijyik chaaki palu palan – ekti pustikaa.
- GANGA – Powdery Mildew Resistant Mulberry Variety for irrigated & rainfed condition
- RATNA – Mulberry Variety for red laterite soils and low input condition
- Mulberry cultivation Technology for chawki garden.

Eleven (11) best farmers selected from the different districts of West Bengal for their outstanding achievements in cocoon production during the previous year, were awarded with certificate and token gift. Among them, three award winning farmers shared their experiences and efforts behind the success.

About 10 media personalities, belonging to Government and Public televisions, radio, newspapers, magazines, etc. covered the programme and telecasted in their own channel and printed in newspaper. About 500 participants comprising of sericulture stakeholders from Birbhum, Nadia and Murshidabad districts of West Bengal, officers' & officials of DoS, West Bengal and Scientists & technical officials actively participated in the Mela. The Mela ended with Vote of Thanks.

RKM- 2023 (RSRS-KPG)

RSRS-KPG organized Resham Krishi Mela at Officers Club, Namchi, Sikkim on 07.02.2023. Mela was inaguarated by lighting the lamp by the Chief Guest. A pamphlet on **"Late age Silkworm Rearing"** in Nepali Vernacular language was released by Dr. Kishor Kumar, C.M., Director CSR&TI Berhampore.

An eloquent speech was given by the Guest of Honour, Mrs. Srijana Chettri, DFO, (Sericulture), Dept. of Forest and Envi., Govt. of Sikkim. She briefly explained about the role of women Sericulture farmers in strengthening the sericulture in hilly region of Sikkim.

The Chief Guest, I.P. Shivkoti, Sr. Scientist & Head, KVK, Namthang, briefed about role of KVK in expanding the Sericulture in South Sikkim.

The final speech was given by the president Dr. Kishor Kumar, Director, CSR&TI, Berhampore where in stressed the importance of bivoltine silkworm and new mulberry Variety TR-23, which is especially suitable for hilly region and Technical interaction among the farmers and scientists was organized.

The powerpoint presentation on mulberry and silkworm pest and disease was done by Dr. K. Suresh, Sci-C and Dr. Mihir Rabha, Sci-C, CSR&TI, Berhampore. About 170 participants comprising of sericulture stakeholders from Kalimpong and Sikkim attended mela. The programme come to an end by reciting the National Anthem.

RKM- 2023 (RSRS-KPT)

RSRS-Koraput (Odisha) organized a Resham Krishi Mela on 8th February, 2023 at Koraput Auditorium. Shri Abdaal M. Akhtar, IAS, Collector & District Magistrate, was the Chief Guest on the occasion and he urged the farmers for the expansion of sericulture to have a better livelihood. Dr. G. Srinivasa, Sci-D and Dr Deepika, K.U., Sci-C from CSR&TI-Berhampore graced the occasion. Representative from Directorate of Sericulture, Govt. of Odisha was the Guest of Honour. About 200 participants comprising of sericulture stakeholders from Koraput and attached districts attended the mela. Dr. Dip Kumar Gogoi, Sci-D & In-charge, RSRS-Koraput thanked all the stakeholders, media personalities and all other participants for their valuable presence to make the RKM successful.

INTERNATIONAL YOGA DAY

CSR&TI, Berhampore celebrated **International Yoga Day** on 21st June, 2023 in the Auditorium of the institute with the theme of 'Yoga for Vasudhaiva Kutumbakam' or 'Yoga for the welfare of all as one world-one family,' and with the motive of spreading awareness about the Vedic practice, yoga and meditation. Shri Anup Kr. RoyChowdhury, Yoga Teacher, Berhampore mentored the session and enlightened all with the words "Yoga means – addition of energy, strength and beauty to body, mind and soul." All the nested units of CSRTI- Berhampore also celebrated this with much enthusiasm and glory.

प्रौद्योगिकी का स्थानांतरण

अनुसंधान विकाश केंद्र, अगरतला ने वसंत फसल, 2023 के दौरान व्यवसायिक मोड पर चाकी कीटपालन को लोकप्रिय बनाने हेतु श्री बलराम देबबर्मा, बेलबारी आरडी ब्लॉक में कीटपालन गृह पर वसंत फसल, 2023 के दौरान एक चाकी कीटपालन केंद्र (सीआरसी) शुरू किया। रेशमकीट के लार्वा का हैचिंग प्रतिशत 92% देखा गया और चाकी पलुपालन के दौरान लुप्त लार्वा 4%, अ-समान लार्वा 1% और लार्वा वृद्धि 2.5 ग्राम / 100 रेशमकीट दर्ज की गई।

इस इकाई ने वसंत फसल, 2023 के दौरान प्ररोह पालन को लोकप्रिय बनाने का कार्यक्रम भी चलाया और कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए 15 शहतूत रेशमकीट पालकों को 15 (पंद्रह) प्ररोह पालन रैक वितरित किए गए। अंगीकृत किए गए कीटपालकों में कोसा की उपज 45 किग्रा/100 रोमुच दर्ज की गई, जबकि नियंत्रण कीटपालकों में 43 किग्रा/100 रोमुच दर्ज की गई। एसआर% क्रमशः 20.13 और 20.0 पर्यवेक्षण किया गया ।

जागरूकता कार्यक्रम

आरईसी, सिले द्वारा 13 जनवरी, 2023 को राज्य रेशम उत्पादन कार्यालय, पासीघाट में एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । श्री प्रोबल भट्टाचार्जी, एडीटीएच, हथकरघा और वस्त्र,अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। पूर्वी सियांग जिले, पासीघाट के लगभग 50 किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। आरईसी के वैज्ञानिक एवं प्रभारी श्री लोहित सोनोवाल ने सभी अतिथियों और किसानों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। उन्होंने सीएसआर एंड टीआई, बहरमपुर, पश्चिम बंगाल से विकसित शहतूत रेशम उत्पादन की वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों से भी सभी को अवगत कराया। अंत में, श्री सूबेदार पर्टिन, एसटीए ने कार्यक्रम के सफल समापन में अपना सहयोग देने के लिए सभी आमंत्रित अतिथियों, किसानों और अन्य प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किए।

ईसीपी (आरएसआरएस-केपीटी)

आरएसआरएस-कोरापुट, ओडिशा ने 25 किसानों के साथ 05 (पांच) दिवसीय किसान कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफएसटी) "चाकी और परिणत कीट पालन-पोषण प्रद्योगिकी" पर दिनांक 27 फरवरी से 3 मार्च, 2023 तक का आयोजन किया। इन किसानों को एडीएस, कोरापुट, आईटीडीए द्वारा प्रायोजित किया गया था।

इस इकाई ने दिनांक 20 फरवरी से 23 फरवरी, 2023 के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर, लोहंडीगुडा क्षेत्रों में 25 किसानों के साथ एक रेशम क्षेत्र मे एक्सपोजर यात्रा का आयोजन किया।

दो किसान क्षेत्र दिवस आयोजित किए गए, एक दिनांक 10.01.2023 को रामगिरि में और दूसरा दिनांक: 01.03.2023 को छत्तीसगढ़ में। इन दोनों कार्यक्रमों में लगभग 128 किसानों ने भाग लिया।

इस इकाई द्वारा 25 किसानों के साथ दुबे उमरगांव जदगलपुर का एक प्रदर्शन दौरा आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर)

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ने संस्थान में 20 मार्च, 2023 से 24 मार्च, 2023 के दौरान **"पश्चिम बंगाल में बीज फसल उत्पादकता में सुधार"** नामक अनुसंधान परियोजना के तहत बीज किसानों के लिए 05 (पांच) दिनों का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया। राज्य रेशम निदेशालय, प.ब. के अधिकारियों, वैज्ञानिकों ने कक्षाएं लीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नदिया और मुर्शिदाबाद जिले के अंगीकृत किए गए किसानों ने भाग लिया।

इसी परियोजना के तहत अन्य एक 05 (पाँच) दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 19 से 23 जून, 2023 के दौरान राज्य रेशम निदेशालय, प.ब. और एनएसएसओ के सहयोग से आरएसआरएस, कलिम्पोंग में आयोजित किया गया था।

इसमे बीज किसानों को केरेउअवप्रसं-बहरमपुर और राज्य रेशम निदेशालय, प.ब. के वैज्ञानिकों द्वारा द्वीप्रज रेशम कृषि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया था। केरेउअवप्रसं, बहरमपुर एवं राज्य रेशम निदेशालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों द्वारा बीज कीटपलकों को द्विप्रज रेशम कृस्हि पर व्यावहरिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में कुल 30 किसान उपस्थित थे।

प्रदर्शनी (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर)

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ने दिनांक12 से 16 जनवरी, 2023 के दौरान रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाछी, मुर्शिदाबाद, प.बं. में आयोजित कृषि समृद्धि मेला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने प्रदर्शनी स्टाल लगाया गया। इस संस्थान से विकसित शहतूत रेशम उत्पादन की नवीनतम प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए यह प्रदर्शनी स्टाल का आयोजन किया गया। शहतूत वृक्षारोपण में शामिल, रेशमकीट के लार्वा के विभिन्न चरण और इसके पोषण विधि, कोकून रीलिंग प्रक्रिया मे नवीनतम प्रौद्योगिकियाँ का प्रदर्शन किया गया। दर्शक, छात्र और गणमान्य व्यक्ति हमारे प्रदर्शनी स्टाल को देखने के लिए बहुत उत्साहित थे। इसमें फ़ोकी कोसा से बनी हस्तशिल्प सामग्री का भी प्रदर्शन किया गया। लगभग 330 दर्शकों ने स्टालों का दौरा किया और आगंतुक पुस्तिका में अपनी बहुमूल्य टिप्पणियाँ दीं।

TRANSFER OF TECHNOLOGY

REC-Agartala has undertaken one Chawki Rearing Center (CRC) under the programme : Popularizarion of CRC during Spring crop 2023 at the rearing house of Shri Balaram Debbarma, Belbari RD Block during Spring crop, 2023. Hatching percentage of silkworm larvae was recorded 92% and missing larvae was 4%, unequal larva was 1% and larval growth was 2.5 g /100 silkworms during chawki rearing.

Under the programme : Popularizarion of Shoot rearing during Spring crop, 2023, distributed 15 shoot rearing racks to 15 rearers. Cocoon yield recorded was 45 kg / 100 dfls for the adopted rearers while 43 kg / 100 dfls for control rearers & shell % was 20.13 and 20.00, respectively.

AWARENESS PROGRAMME

REC, Sille conducted an Awareness Programme at State Sericulture Office, Pasighat on 13th Jan., 2023. Shri Probal Bhattacharjee, ADTH, Handloom and Textiles, Govt. of Arunachal Pradesh presided over as Chairperson. About 50 farmers of East Siang District, Pasighat attended. Shri Lohit Sonowal, Sci-C & In-charge of REC extended warm welcome to all the participants and explained the purpose of organizing the programme. He elaborated all the advancement of Scientific Technologies of Mulberry Sericulture developed from CSR&TI, Berhampore, West Bengal. He also assured the farmers for more technical support. Programme ended with vote of thanks by Shri Subedar Pertin, STA.

ECPs (RSRS-KPT)

RSRS-Koraput, Odisha conducted 05 (Five) days Farmers Skill Training Programme (FST) with 25 farmers on "**Chawki & Late Age Rearing Technology**" w.e.f. 27.02.2023 to 03.03.2023 in the unit. ADS, Koraput, ITDA nominated & sponsored the farmers.

The unit organized an exposure visit of 25 farmers to Bastar, Lohundiguda areas of Chhattisgarh w.e.f. 20.02.2023 to 23.02.2023. Two Farmers' Field Day were also organised at Ramgiri (10.01.2023) and Chhatisgarh (01.03.2023). About 128 farmers attended the programmes.

One exposure visit to Dubey Umargaoun Jadgalpur with 25 farmers were conducted by this unit.

TRAINING PROG. (CSRTI-Berhampore)

CSRTI-Berhampore conducted 05 (five) days residential training to seed farmers under the research project entitled, **"Improvement of Seed Crop Productivity in West Bengal"** from 20th March to 24th March, 2023 at the institute. Officers of DoS, W.B. and scientists of this institute have taken the classes. Adopted farmers from Nadia and Murshidabad districts attended the training.

Another 05 (five) days residential training programme was organized at RSRS, Kalimpong in collaboration with DoS (W.B.) and NSSO under the same project during 19th to 23rd June, 2023. The seed farmers were given hands on training on Bivoltine sericulture by the Scientists of CSR&TI, Berhampore and from DoS (W.B.). Total 30 sericulture farmers attended the training programme.

EXHIBITION (CSRTI-Berhampore)

CSRTI-Berhampore participated with its exhibition stall at Krishi Samriddhi Mela cum National Seminar held during 12th to 16th January, 2023 at Ramkrishna Mission Ashram, Sargachhi, Murshidabad, West Bengal. This Institute organised an exhibition stall to demonstrate the latest technologies of mulberry sericulture developed from this institute. The latest technologies involved in mulberry plantation, different stages of silkworm larvae and its nurturing method and cocoon reeling procedure were displayed. The spectators, students and dignitaries were well enthusiastic to visit our exhibition stall. It was also showcased the handicraft materials made from the pierced cocoons. At least 330 spectators visited the stalls and gave their valuable comments in Visitors' Book.

रेशम कृषक की सफलता की कहानी

किसान का नाम: श्री सी. लालरुआत्किमा

पिता का नाम: श्री सी. रालियाना

उम्र: 50 वर्ष

शैक्षिक योग्यता: बी.ए. उत्तीर्ण

पता: सैतुअल, मिजोरम

संपर्क संख्या: 9862053130

श्री सी. लालरुआत्किमा 50 वर्ष के हैं और अपने परिवार के 6 सदस्यों के साथ सैतुअल, मिजोराम में रहते हैं और उनके पास सैतुअल के बाहरी इलाके में 5 एकड़ जमीन है। उन्होंने वर्ष 2003 में केवल 3500 शहतूत के पौधों के साथ शहतूत की खेती शुरू की और 2005 में 50 डीएफएल के साथ रेशमकीट पालन आरंभ किएऔर अब उनके परिवार के 4 लोग शहतूत रेशम उत्पादन में शामिल हैं। उन्हें केंद्रीय रेशम बोर्ड और मिजोरम राज्य रेशम उत्पादन विभाग से प्रशिक्षण प्रदत कर रेशम उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया। वह मिजोरम के सबसे अच्छे किसानों में से एक हैं और पिछले वर्ष प्ररोह पालन तकनीक का अभ्यास करने वाले कुछ किसानों में से वे पहले हैं। उन्हें 2018 में राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ अचीवर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। सी. लालरुआत्किमा ने ज्यादातर Bi x Bi का कीटपालन और अच्छी गुणवत्ता वाले कोसाका उत्पादन किया। रेशम कृषि के माध्यम से अपनी आय से, उन्होंने मारुति 800 (सेकंड हैंड), महिंद्रा पिक-अप (सेकंडहैंड), 2 रेफ्रिजरेटर खरीदे, 2 अलग घर बनाए और अपने रहने वाले घर का नवीनीकरण किया। उनके पास 5 बकरियां, दूध के लिए 2 गायें, सोलर बैटरी चार्जर आदि हैं। अब उनकी 5 एकड़ भूमि में 15000 से अधिक शहतूत पौध हैं और वे प्रति वर्ष लगभग 600-1000 डीएफएलएस का कीटपालन कर रहे हैं। वह एक वर्ष में 250 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक कोसा की कटाई कर रहे हैं। उनकी वार्षिक आय 90,000.00 रुपये से 1,54,000.00 है। रेशम उत्पादन के माध्यम से अपनी आय के अलावा, उन्होंने केला, टमाटर और अन्य फलीदार पौधों की भी खेती की, जिससे उनकी वार्षिक आय में वृद्धि हुई।

क्र. सं.	वर्ष	प्रति वर्ष फसलों की संख्या	कोट्पालित डीएफएल की संख्या	कोसा का शस्यन (किग्रा)	आय (रु.)
1	2020	4	600	280 किग्रा	98000
2	2021	5	800	350 किग्रा	122500
3	2022	5	1000	440 किग्रा	154400

न्यूज एवं व्यूज के लिए लेख सामग्री

निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर का यह दृढ़ संकल्प है कि आशाजनक शोध, उपलब्धियों, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण, प्रक्षेत्र परीक्षणों, निर्देशनों, कृषक दिवस, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर इस अर्द्ध-वार्षिकी न्यूज बुलेटिन को नियमित रुप से प्रकाशित किया जाए। इस संस्थान तथा क्षेरेउअके, अविके तथा उप-इकाई अविके और पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारी सदस्यों से अनुरोध है कि वे प्रकाशन हेतु निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर(प.बं.) के नाम अपनी लेख समाग्रियों को भेजे।

वैज्ञानिकों की सहभागिता

दिनांक 22 से 24 जून, 2023 के दौरान कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में आईसीएआर, नई दिल्ली के सहयोग से आईएसईई द्वारा आयोजित "सतत विकास के लिए माध्यमिक कृषि के प्रति विस्तार विज्ञान का विकास" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया:-

❑डॉ. परमेश्वर नायक, वैज्ञानिक-सी, केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ।

दिनांक 24 अप्रैल, 2023 को केंद्रीय रेशम बोर्ड, बेंगालुरु में आयोजित "केंद्रीय रेशम बोर्ड के ई-सबएमआईएस वेब पोर्टल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया: -

❑डॉ. परमेश्वर नायक, वैज्ञानिक-सी, केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ।

❑डॉ. के. राहुल, वैज्ञानिक-सी, केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ।

दिनांक 28 फरवरी, 2023 को सुबह 11:00 बजे धान्यगंगा केवीके (मुर्शिदाबाद अतिरिक्त) में आयोजित होने वाली तीसरी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

❑डॉ. दीपेश पंडित, वैज्ञानिक-डी, केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ।

अनुसंधान एवं विकास समीक्षा बैठकें

❑केरेउअवप्रसं-बहरमपुर की आरएसी की 56वीं बैठक दिनांक 17 और 18 जनवरी 2023 को आयोजित की गई।

❑केरेउअवप्रसं-बहरमपुर की अनुसंधान परिषद की 63वीं बैठक दिनांक 14 फरवरी, 2023 को आयोजित की गई।

❑IBSC की बैठक दिनांक 8 जून, 2023 को केरेउअवप्रसं-बहरमपुर में आयोजित की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा

केरेउअवप्रसं-बहरमपुर ने दिनांक 1 मार्च से 15 मार्च, 2023 के दौरान 15 दिवसीय स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। दिनांक 1 मार्च, 2023 को: संस्थान के सभी कर्मचारियों, वैज्ञानिकों, छात्रों द्वारा स्वच्छ भारत के लिए उद्घाटन समारोह में सामूहिक प्रतिज्ञा ली गई। दिनांक 10 मार्च, 2023 को: स्वच्छता कार्यक्रम के तहत सागरपाडा रेशमबीज गांव में एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके समापन सत्र में डॉ. सुजाता बाग बनर्जी, प्रिंसिपल के.एन.कॉलेज, बहरमपुर, मुर्शिदाबाद से मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थी। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान छात्र, जेआरएफ पीए, टीएसएफडब्ल्यू ने समारोह में भाग लिया।

प्रकाशक
डॉ. किशोर कुमार, सी. एम., निदेशक
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
बहरमपुर – 742101, पश्चिमबंग, भारत
E-mail -csrtiber.csb@nic.in/ csrtiber@gmail.com
Website: **www.csrtiber.res.in**

SUCCESS STORY

Name of the farmer:
Shri C. Lalruatkima
Fathers Name: Shri C. Ralliana
Age: 50 Years
Educational Qualification: B.A.
Address: Saitual, Mizoram
Contact Number: 9862053130

C. Lalruatkima is 50 years old residing at Saitual along with his 6 family member and has 5 acres of land at the outskirts of Saitual. He started mulberry plantation during the year 2003 with only 3500 mulberry saplings and started silkworm rearing during 2005 with 50 dfls and now 4 persons of his family are involved in mulberry sericulture. He was motivated in sericulture getting the training from Central Silk Board and from Mizoram State Dept. of Sericulture. He is one of the best farmers in Mizoram and first among a few to practiced shoot rearing technology in the last year. He was awarded National Level Best Achiever Award in 2018 in sericulture. C. Lalruatkima reared mostly Bi x Bi and harvested good quality of cocoons. From his earnings through Sericulture, he bought Maruti 800 (Second hand), Mahindra Pick-up (Second hand), Refrigerator 2 nos., constructed 2 separate houses and renovated their living house. He has 5 goats, 2 cows for milk, solar battery charger, etc. Now he has more than 15000 mulberry plants in his 5 acres of land and rearing capacity of about 600-1000 dfls/ year. He is harvesting 250 kg to 400 kg of cocoon in a year. His earning is Rs.90,000.00 to Rs. 1,54,000.00 in a year. Besides, from his income through sericulture, he also cultivated banana, tomatoes and other leguminous plants which boost his yearly income.

Sl. No.	Year	No. of crops per year	No. of DFLs reared	Cocoons harvested (kg)	Income (Rs.)
1	2020	4	600	280 kg	98000
2	2021	5	800	350 kg	122500
3	2022	5	1000	440 kg	154400

ARTICLES FOR ***NEWS & VIEWS***

Director, CSRTI-Berhampore publishes half-yearly News Bulletin regularly on promising research findings, ToT, Field Trials, Demonstrations, Farmers' Day, Training Programmes and other important events. Officers and Staff working at main institute, RSRSs and RECs of Eastern & North Eastern states are requested to communicate articles to Director, CSRTI-Berhampore, West Bengal for publication.

Scientists Participation

Attended National Seminar on ***"Evolving Extension Science towards Secondary Agriculture for Sustainable Development"*** *organised by ISEE in association with ICAR, New Delhi during 22nd to 24th June, 2023 at University of Agricultural Sciences, Bengaluru:-*

- Dr. Parameshwar Naik, Sci-C, CSRTI-Berhampore.

Attended ***"Hands on training programme on e-SubMIS Web Portal of CSB "*** *held on 24th April, 2023 at CSB, Bengaluru: -*

- Dr. Parameshwar Naik, Sci-C, CSRTI-Berhampore.
- Dr. K. Rahul, Sci-C, CSRTI-Berhampore.

Attended 3rd ***Scientific Advisory Committee Meeting*** *held on 28th Feb., 2023 at 11:00 AM in Dhaanyaganga KVK (Murshidabad Additional).*

- Dr. Dipesh Pandit, Sci-D, CSRTI-Berhampore.

R & D REVIEW MEETINGS

- 56th meeting of the RAC of CSRTI-Berhampore was held during 17th & 18th January 2023.
- 63rd meeting of Research Council of CSRTI-Berhampore was held on 14th February, 2023.
- IBSC Meeting was held on 8th June, 2023 at CSRTI Berhampore.

SWACHATA PAKHWADA

CSRTI, Berhampore celebrated 15 days Swachata Pakhwada during 1st to 15th March, 2023. The following are the highlights of the programme.

- 1st March, 2023: Inauguration and taking of Mass pledge for a clean India by all the staffs, scientists, students of the institution.
- 10th March, 2023: An Awareness campaign was undertaken at Sagarpara Sericulture (seed) village under Swachata programme.
- In its' valedictory session, Dr. Sujata Bagchi Banerjee, Principal K.N.College, Berhampore, Murshidabad was the Chief Guest. Review of all activities undertaken on Swachhata Pakhwada period, Prize distribution, Documentation of activities carried out during Swachhata Pakhwada. Entertainment by PGDS students were covered in that function. All Scientists, Officers, staffs, students, JRFs, PAs and TSFWs attended the function.

Published By: *Dr. Kishor Kumar C.M., Director*
Central Sericultural Research & Training Institute
Central Silk Board, Ministry of Textiles, Govt. of India
Berhampore-742101, Murshidabad , West Bengal, India
E-mail -csrtiber.csb@nic.in/ csrtiber@gmail.com; Website::www.csrtiber.res.in